हिन्दी साहित्य
कुछ विचार

स्मृति शुक्ल

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन - फोटो कापी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक / प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2017

ISBN 978-81-934028-1-8

प्रकाशक
अनुज्ञा बुक्स
1/10206, वेस्ट गोरख पार्क
शाहदरा, दिल्ली-110 032
फोन : 011-22825424, 09350809192
email: anuugyabooks@gmail.com
www.anuugyabooks.com

मूल्य : 650.00 रुपये

आवरण : मुन्ना कुमार

मुद्रक
अर्पित एण्टरप्राइजेज, दिल्ली-32

HINDI SAHITYA : KUCHH VICHAR *by* Smriti Shukla

अनुक्रम

भूमिका 9

1. मुक्तिबोध की कविता में उनके विभिन्न जीवनानुभव एवं आत्मसंघर्ष की कहानियों के अन्तर्सूत्र 11
2. आज के सवाल और साहित्य 19
3. महिला रचनाकारों की रचनाओं में अभिव्यक्त स्त्रीत्व के विविध रूप (आत्मकथाओं के विशेष सन्दर्भ में) 26
4. हिन्दी साहित्य में नर्मदा (अमृतलाल बेगड़ के विशेष सन्दर्भ में) 32
5. दिनकर का काव्य : इन्द्रधनुष पर खेलते अंगारे 38
6. आदिकाल के विशिष्ट कवि : अमीर खुसरो 44
7. प्रो. सुरेश आचार्य के व्यंग्य : ज्यौं नावक के तीर 50
8. हिन्दी साहित्य में संस्मरण और डायरी साहित्य 55
9. हिन्दी कहानी के नये आयाम 64
10. हिन्दी सिनेमा में स्त्री 'आलम आरा' से 'शोले' तक 73
11. हिन्दी उपन्यासों में गाँव, बच्चे और वृद्ध 82
12. हिन्दी कविता में स्त्री के विविध रूपों का आकलन 92
13. मध्यप्रदेश की गोंड़ जनजाति की संस्कृति : कल और आज 103
14. दलित कविता : इक्कीसवीं शताब्दी के विशेष सन्दर्भ में 112
15. भारतीय स्त्री : अतीत और वर्तमान 120
16. काव्य भाषा-शिल्प के सजग प्रहरी 'अज्ञेय' 126
17. बीसवीं सदी के अन्तिम दो दशकों की कविता का पुनरावलोकन 134
18. विभिन्न भाषाओं में रामकाव्य 140

19. महादेवी वर्मा के साहित्य में नारी 146
20. हिन्दी समीक्षा के आलोक स्तम्भ 151
21. गणतन्त्र की समस्याएँ और साहित्य 155
22. सत्-चित् वेदना के कवि : मुक्तिबोध 163
23. अपने समय से मुठभेड़ करती समकालीन कहानियाँ 168
24. नैतिकता एवं मूल्य आधारित शिक्षा में साहित्य का योगदान 176
25. गोस्वामी जी का मानवतावादी दर्शन 180
26. गोस्वामी तुलसीदास का काव्य सम्बन्धी चिन्तन 183
27. हिन्दी गीत विद्यापति से यश मालवीय तक 187
28. परसाई के व्यंग्य और सर्वधर्म-समभाव 194
29. विनय पत्रिका में युगीन सन्दर्भ 197
30. मालवीय जी का सामाजिक चिन्तन 201
31. मानस में नवधा भक्ति 207
32. अरुण कमल का काव्य-संसार 211
33. तुलसी साहित्य में स्थापित मूल्यों की उपादेयता 218
34. नारी सशक्तीकरण और कुछ महिला उपन्यासकार 221
35. मध्यकालीन भारत में भाषा-साहित्य एवं कला के क्षेत्र में समन्वय 225
36. हिन्दी व्यंग्य-कविता 232
37. अद्वितीय व्यंग्य-शिल्पी : हरिशंकर परसाई 239
38. लोककवि ईसुरी के काव्य में अध्यात्म एवं समाजवाद 244
39. समकालीन कविता में प्रतीक-विधान 248
40. साहित्य, सिनेमा और समाज 254
41. परिवर्तित सामाजिक परिवेश बच्चे और बाल-साहित्य 260
42. ओमप्रकाश वाल्मीकि जी से एक संवाद 264

नाम : डॉ. (श्रीमती) स्मृति शुक्ल
पति का नाम : डॉ. अभिषेक शुक्ल
जन्म : 17 फरवरी, 1969, पथरिया, जिला दमोह

म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा 11.10.93 को प्राध्यापक, हिन्दी के पद पर चयनित विगत 22 वर्षों से म.प्र. के शासकीय महाविद्यालय जबलपुर में प्राध्यापक हिन्दी के पद पर पदस्थ।

बचपन से ही साहित्य के प्रति गहन अनुराग। 130 राष्ट्रीय एवं 20 अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध-पत्र प्रस्तुत एवं वक्ता के रूप में आमन्त्रित, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के लिए पाठ्य-पुस्तकों का लेखन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत दो लघु शोध परियोजनाओं के अन्तर्गत 'समकालीन कविता' एवं 'हिन्दी के दलित साहित्य' पर शोध कार्य। अब तक 13 शोध छात्राओं को निर्देशन में पी-एच.डी. शोध उपाधि प्राप्त। ''समकालीन भारतीय साहित्य'', 'साक्षात्कार', 'वागर्थ', 'नया ज्ञानोदय', 'संवाद-हस्तक्षेप' वीणा, अक्षरा, तुलसी साधना, हिन्दी अनुशीलन, अन्वीक्षा, लैब टू लैंड, अनभै, साहित्य सरस्वती आदि पत्रिकाओं में 150 से अधिक आलोचनात्मक लेख-समीक्षायें एवं शोधालेख प्रकाशित। आकाशवाणी जबलपुर से 50 से अधिक वार्ताओं का प्रसारण। देश के प्रतिष्ठित साहित्यिक आयोजनों में वक्ता के रूप में आमन्त्रित। मध्य भारत साहित्य समिति, हिन्दी साहित्य परिषद एवं इंडियन नेशनल कल्चरल एवं हैरीटेज क्लब एवं मध्य भारत राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की आजीवन सदस्य। 10 वर्षों तक महाविद्यालयीन शोध पत्रिका 'अन्वीक्षा' का सह-सम्पादन एवं सम्पादन।

पत्र व्यवहार का पता –

डॉ. स्मृति शुक्ला–ए-16, पंचशील नगर, नर्मदा रोड, जबलपुर-482001 मो.नं. 09993416937
email: S_shukla88@yahoo.com

मुझे प्रसन्नता कि इस सत्र में स्मृति शुक्ला—जो कथाकार नहीं, पर अध्ययनशील अकादमिक आलोचक-शोधकर्मी है, उन्होंने ऐसे सगुण दृष्टान्त आज की नए आयाम तलाशती कहानियों के प्रस्तुत किये, जो मेरी उक्त भावना को बल देते है और सही साबित करते हैं।

— रमेशचन्द्र शाह, प्रसिद्ध साहित्यकार

प्रिय स्मृति जी के लिये प्यार से। आप नवीनत पढ़ लेती हैं इससे पढ़ाने को नई धार और धारा मिलती रहेगी।

— ममता कालिया, प्रसिद्ध साहित्यकार

₹ 650

अनुज्ञा बुक्स
दिल्ली-110032

9 788193 402818